पुना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Std-5 **Sub-Hindi**

पाठ-२ फ़सलो के त्योहार

पाठ का सारांश

जाड़ा(सर्दी) का मौसम है। दस दिनों से सूरज उगा नहीं है।सब लोग सूरज क इंतजार में है। रजाई से निकलने की हिम्मत नही हो रही रही। लेकिन खिचड़ी(मकर-संक्राति) का त्योहार आ गया है। इस दिन लोग तिल,गुड़ और चीनी के तिलकुट भी खाते है। जनवरी माह के मध्य में भारत के लगभग सभी पांतो में फ़सलो से जुड़ा कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार,मध्य प्रदेश में मकर संकाति या तिल संकाति,असम में बीहू,केरल में ओणम,तमिलनाडु में पोंगल,पंजाब में लोहड़ी,झारखंड में स्रहुल,ग़ुजरात में पतंग का पर्व सभी खेती और फ़सलो से जुड़े त्योहार हैं। इन्हें जनवरी से मध्य अ्प्रैल तक मनाया जाता है। तमिलनाडु में फ़सलो से जडा त्योहार पोंगल है। इस दिन घर में मिटटी का नया मटका लाया जाता है। इसमें नए चावल,दूध और गुड़ डालकर उस पकने के लिए धूप में रख देते है।

झारखंड में सरहुल बडे जोशो से मनाया जाता है। चार दिनों तक यह त्योहार मनाया जाता है। आदिवासी आमतौर पर प्रकृति की पूजा करते है। सरहुल में विशेष रूप से साल के पेड़ की पूजा की जाती ह। गुजरात में पतंगो के बिना मकर-संकाति का त्योहार अधूरा सा लगता है। इस दिन दान का बहुत महत्व है।

कठिन शब्द

१-बोरसी
२-चाँपाकल
३-सैलाब
४-कतार
५-प्रांत
६-घुघुतियाँ

*** शब्दार्थ**

१-बोरसी-मिटटी से निर्मित एक प्रकार का बर्तन
२-घुघुतिया-कुमाऊ का त्योहार
३-सैलाब-भीड़
४-कतार-लाईन
५-प्रांत-देश
६-अंदाज-तरीका
७-इकटठ-समूह
८-सूर्य-सूरज,रवि
९-त्यौहार-पर्व

*** अतिलघु प्रश्न उत्तर**

१-दादी क बाल कैसे लग रहे थे?
उ-दादी के बाल सफ़ेद रुई जैसे लग रहे थे।
२-तिलकुट किन चीज़ो से बनाया जाता है?

उ-तिलकुट गुड़ और तिल से बनाया जाता है।
३-सरहुल में चंदे में कौन-कौन सी चीज़े माँगी जाती हैं?
उ-सरहुल में चंदे में मुर्गा, चावल और मिश्री माँगी जाती है।
४-पोंगल के दिन घरों में कौन-कौन सी फ़सले काटकर लाई जाती हैं?
उ-पोंगल के दिन घरों में खरीफ़ की फ़सलें, चावल, अरहर आदि काटकर लाई जाती हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-खिचड़ी के त्योहार के दिन केले के पत्तों पर क्या-क्या रखा गया था?
उ-खिचड़ी के त्योहार क दिन केल के पत्तों पर तिल, गुड़, चावल रखा गया था।
२-सरहुल का साल के वृक्ष से क्या संबंध है?
उ-सरहुल क दिन विशेष रूप से साल के पेड़ को पूजा की जाती है। यही समय है जब साल क पेड़ो में फूल आन लगत हैं और मौसम बहुत ही खुशनुमा हो जाता हैं।
३-पोंगल कैस मनाया जाता है?
उ-तमिलनाडु में मकर-संक्रांति या फ़सलों से जुड़ा त्यौहार "पोंगल"के रूप में मानया जाता है। हर घर में मिटटी का नया मटका लाया जाता है। जिसमें नए चावल, दूध और गुड़ ड़ालकर उसे पकान के लिए धूप में रख देत है। जैसे ही दूध में उफान आता है दूध-चावल मटके से बाहर गिरने लगता है तो "पोंगला-पोंगल, पोंगला-पोंगल"के स्वर सुनाई देते ह।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-खेती और फ़सलो से जुड़े कौन-कौन से त्योहार किन-किन प्रांतों में मनाए जाते हैं?

उ-केरल-ओणम
तमिलनाडु-पोंगल
पंजाब-लोहड़ी
झारखंड-सरहुल
गुजरात-मकरसंक्रांति
असम-बिहु
कुमाऊँ-घुघुतिया
बिहार-संक्रांति

२-मकर संक्रांति के दिन किस प्रांत में पतंगों को सर्वाधिक महत्व दिया जाता ह और क्यों?
उ-मकर संक्रांति क दिन गुजरात में पतंगो को सर्वाधिक महत्व दिया जाता हैं। प्रत्येक गुजराती चाह वह किसी भी धर्म, जाति या आयु का हो, पतंग उड़ाता है। हज़ारों-लाखो पतंगो से सूर्य भी ढक-सा जाता हैं।

(व्याकरण-विभाग)

१) द्रव्यवाचक संज्ञा- जो शब्द किसी धातु या द्रव्य का बोध करते हैं, द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे- कोयला, पानी, तेल, घी आदि।

द्रव्यवाचक संज्ञा के उदाहरण

- मेरे पास सोने के आभूषण हैं।
- एक किलो तेल लेकर आओ।
- मुझे दाल पसंद है।

२) समुदायवाचक संज्ञा- जिन संज्ञा शब्दों से किसी भी व्यक्ति या वस्तु के समूह का बोध होता है, उन शब्दों को समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- भीड़, पुस्तकालय, झुंड, सेना आदि।

समुदायवाचक संज्ञा के उदाहरण

- भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी सेना है।
- कल बस स्टैंड पर भीड़ जमा हो गयी।
- मेरे परिवार में चार सदस्य हैं।

(लेखन-विभाग)

निबंध

* भारतीय त्योहार

-भारत त्योहारों का देश है। हमारे देश में भिन्न भिन्न धर्म एवं जाति संप्रदाय के लोग निवास करते हैं। भारत के त्योहार इसकी संस्कृति की महानता को उजागर करते हैं।भिन्न भिन्न जातियों, भाषाओं, प्रातों व भिन्न भिन्न सम्प्रदायों द्वारा एक साथ त्योहार मनाने से पारस्परिक सौहार्द एवं स्नेह की भावनायें पुनर्जीवित होती हैं। हमारे त्योहार अधिकतर ऋतुचक्र के अनुसार मनाये जाते हैं।

-सभी त्योहार जनमानस को खुशियाँ, उल्लास व उत्साह प्रदान करते हैं। रक्षाबन्धनका त्योहार भाई बहन के सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाता है और भाई जीवनभर बहन की रक्षा का वचन लेता है। विजयदशमी बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। दीपावली में दीपों के साथ हमारे जीवन में भी नयी रोशनी जागृत होती है।मुस्लमान भाईयों की ईद, मुहर्रम, सिक्खों की बैसाखी, लोहड़ी, ईसाईयों का क्रिसमस सभी त्योहार समाज में नवीनता एवं खुशियाँ लाते हैं।

-मनुष्य के जीवन की नीरसता को दूर करते हैं और लोगों को दान दक्षिणा आदि सत्कर्म करने की प्रेरणा देते हैं।स्वतंत्रतादिवस, गणतंत्रदिवस, गाँधीजयन्ती इत्यादि राष्ट्रीय त्योहार पूरे राष्ट्र में प्रतिवर्ष एक ही दिन हम सब मिलकर मनाते हैं जिससे राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होती है एवं आपसी एकता भी मजबूत होती है। ये त्योहार हमारी भारतीय संस्कृति के गौरव हैं। हमारे ये त्योहार हमारी पहचान हैं। अतःहमें इनको मिलजुलकर पवित्रता व सहृदयता से मनाना चाहिये।

* गतिविधि-अलग-अलग राज्यों के त्योंहार के चित्र चिपकाओ अथवा बनाओ।